देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 16 अंक: 267 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

पेज थ्री

देहरादून, रविवार, 30 जनवरी 2022

विचार-प्रवाह...बीजेपी का सबकुछ लगा था इस बिल पर

मौसम | अधिकतम 15.0° | न्यूनतम 6.0°

39243.39

2 यूक्रेन और रूस के बीच खिंची तलवारें

7 21वां ग्रैंड स्लैम जीतते ही रच देंगे इतिहास

बीटिंग रिट्रीट में गूंजा सेना का शौर्यगान

ऐ मेरे वतन के लोगों की धुन और लेजर शो ने मोहा मन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट समारोह का रंगारंग कार्यक्रम हुआ। इस कार्यक्रम में सशस्त्र बलों के सर्वोच्च कमांडर राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हुए। इस मौके पर देश में निर्मित 1,000 ड्रोन शनिवार को विजय चौक पर बीटिंग रिट्रीट समारोह में दर्शकों को रोमांचित करते नजर आए। चीन, रूस और ब्रिटेन के बाद भारत 1,000 ड्रोन के साथ इतने बड़े पैमाने पर ड्रोन शो का आयोजन करने वाला चौथा देश बन गया।

बीटिंग द रिट्रीट समारोह के समापन के मौके पर स्वदेशी 1,000 ड्रोन दर्शकों को रोमांचित करते नजर आए। 1,000 ड्रोन के साथ इतने बड़े पैमाने पर ड्रोन शो का आयोजन करने के साथ ही चीन, रूस और ब्रिटेन के बाद ऐसा भव्य प्रदर्शन करने वाला भारत चौथा देश बन गया।

बीटिंग द रिट्रीट समारोह के समापन के लिए टुकड़ियों के कमांडर ने राष्ट्रपति से मंजूरी मांगी जिसके साथ ही बलों ने अपने कैंपों में वापसी परेड शुरू की। बैंड ने वापसी परेड में सारे जहां से अच्छा की धुन बजाई जिसने सभी को अभीभूत कर दिया।

बीटिंग द रिट्रीट के मौके पर सेनाओं के बैंड ने ऐ मेरे वतन के लोगों की धुन बजाई जिसने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में मौजूद राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तालियों से इसका स्वागत किया।

बीटिंग द रिट्रीट के मौके पर नार्थ ब्लॉक साउथ ब्लॉक सहित राष्ट्रपति भवन को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। कार्यक्रम में भारतीय सेना, नौसेना, वायु सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के बैंड की ओर से 26 धुनें बजाई गई। पहली बार विजय चौक पर प्रोजेक्शन मैपिंग शानदार नजारा दिखाई दिया।

क्यों होता है बीटिंग रिट्रीट का आयोजन ?

हर साल गणतंत्र दिवस के बाद 29 जनवरी की शाम को बीटिंग रिट्रीट समारोह का आयोजन किया जाता है। रायसीना रोड पर होने वाली यह सेरेमनी राष्ट्रपती भवन के सामने होती है। बीटिंग रिट्रीट को चार दिनों तक चलने वाले गणतंत्र दिवस के समापन के तौर पर देखा जाता है।

आर्मी की बैरक वापसी का प्रतीक है बीटिंग रिट्रीट

29 जनवरी को होने वाली बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी आर्मी की बैरक वापसी के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। विश्व में भी बीटिंग रिट्रीट की परंपरा रही है। देश में इसकी शुरुआत साल 1950 में हुई थी। तब भारतीय सेना के मेजर रहे रॉबर्ट ने इस सेरेमनी को सेनाओं के बैंड्स के डिस्प्ले के साथा पूरा किया था।

संक्षिप्त समाचार

लगातार पांचवे दिन घटे कोरोना के मामले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में कोरोना का कहर अब थमता दिख रहा है। आज लगातार पांचवें दिन कोरोना के केसों में गिरावट देखने को मिली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना के 2,35,532 नए मामले सामने आए हैं। कोरोना के नए मामलों से ज्यादा अब ठीक होने वाले मरीजों का आंकड़ा देखने को मिल रहा है। भारत में पिछले 24 घंटे में 3,35,939 कोरोना मरीज ठीक हुए हैं।

2–3 फरवरी को होगी फिर से बारिश के आसार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को आसमान साफ रहेगा और दिन में ठंड भी कम रही लेकिन शाम को हवा चलने से ठिठुरन बढ़ी। मौसम विभाग की मानें तो दो और तीन फरवरी मौसम दोबारा करवट लेगा, बरसात भी होगी। वहीं फरवरी की शुरुआत बारिश की बौछार से होने के आसार हैं।

हरीश रावत के लिए राजनीतिक मौत का कुआं साबित होगा लालकुआं

पूर्व सीएम विजय बहुगुणा ने हरदा पर किया पलटवार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

दल बदलने वालों के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध का समर्थन

उत्तराखंड की सियासत में दल बदलने का सिलसिला अब भी जारी है। भाजपा और कांग्रेस दोनों में यह स्थिति खने को मिली है। 2016 में कांग्रेस से बगावत करने वाले विजय बहुगुणा अब ऐसे लोगों पर कार्रवाई की पैरवी करते नजर आए। प्रेसवार्ता में कहा कि चुनाव से एक साल पहले दल बदलने वालों के चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध लगना चाहिए।

देहरादून। उत्तराखंड में कल नामांकन का आखिरी दिन था। अब नेता प्रचार–प्रसार में जुट गए हैं। सियासी तीर छोड़ना व एक–दूसरे पर हमलावर होना भी प्रचार का ही महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसकी शुरुआत कल हरीश रावत ने कांग्रेस की बुकलेट लांच करते समय हल्द्वानी में की। उन्होंने कहा कि भाजपा सैनिकों का अपमान कर रही है। वह ऐसे दिखाती है जैसे पाकिस्तान को जवाब मोदी के बाद से ही सेना ने देना शुरू किया है। यह पूर्व में जीते गए युद्धों में हिस्सा लिए सैनिकों का अपमान है। वहीं इसके जवाब में दूसरे दिन ही पूर्व सीएम विजय बहुगुणा ने पलटवार किया। उन्होंने भी हरदा पर तीखे हमले किए।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी उत्तराखंड को देश के सबसे विकसित राज्य के तौर पर देखना चाहते हैं। यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि उन्हें राज्य से भावनात्मक लगाव है। दून और हल्द्वानी में पीएम की रैली से पूरा माहौल बदल चुका है। वहीं, लालकुआं विधानसभा से चुनाव लड़ रहे पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत पर बहुगुणा ने कहा कि लालकुआं हरदा के लिए राजनैतिक मौत का कुआं साबित होगा।

शनिवार दोपहर भाजपा संभाग कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए पूर्व सीएम विजय बहुगुणा ने कहा कि दो साल कोविड की वजह से हर सेक्टर के काम प्रभावित रहे। लेकिन हालात सुधरते ही राज्य सरकार अपने सभी वादे पूरे करने में जुट गई। चुनाव को लेकर पार्टी के घोषणा पत्र की खुद मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा निगरानी कर रहे हैं। ताकि सरकार के दूसरे चरण में बचे काम पूरे करने के साथ नई योजनाओं को भी जमीन पर उतारा जा सके।

पेगासस को लेकर राहुल गांधी का पीएम पर आरोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। केंद्र सरकार पर आरोप लगे हैं कि उसने 2017 में इस्राइल से पेगासस स्पाईवेयर खरीदा था। अब इसे लेकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी सरकार पर 'देशद्रोह' का आरोप लगाया है। इतना ही नहीं कांग्रेस के प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला से लेकर राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी भाजपा सरकार पर निशाने साधे।

अमेरिकी अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 2017 में भारत और इस्राइल के बीच लगभग दो अरब डॉलर (करीब 15 हजार करोड़ रुपये) के आधुनिक हथियारों और खुफिया उपकरणों का सौदा हुआ था। इसमें पेगासस स्पाईवेयर और एक मिसाइल प्रणाली की खरीद मुख्य रूप से शामिल थी। इस खबर को लेकर राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ''मोदी सरकार ने हमारे लोकतंत्र की प्राथमिक संस्थाओं, राजनेताओं व जनता की जासूसी करने के लिए पेगासस खरीदा था। फोन

आरोप

■पेगासस जासूसी मामले में पीएम की सीधी भूमिका: सुरजेवाल

टैप करके सत्ता पक्ष, विपक्ष, सेना, न्यायपालिका सब को निशाना बनाया है। ये देशद्रोह है।''

कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने संवाददाताओं से कहा, '' इस खबर से वह बात साबित हो गई जो कांग्रेस कहती आ रही थी। मोदी सरकार ने गैरकानूनी और असंवैधानिक तरीके से अपने नागरिकों के खिलाफ इस स्पाईवेयर का उपयोग किया है। इसके लिए सीधे तौर पर प्रधानमंत्री जिम्मेदार हैं। यह प्रजातंत्र का अपहरण और देशद्रोह है।''उन्होंने यह दावा भी किया, ''मोदी सरकार ने संसद को धोखा दिया। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में कहा कि उनके पास इस स्पाईवेयर की खरीद की जानकारी नहीं है। गृह मंत्री और गृह मंत्रालय तथा रक्षा मंत्री और रक्षा मंत्रालय ने संसद के साथ धोखा किया।''

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

ठहराव या गिरावट से महामारी को हल्के में न ले

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों ठहराव और कुछ राज्यों और शहरों में नए मामलों की गिरावट की वजह से कहीं आप इस महामारी को हल्के में तो नहीं लेने लगे हैं। अगर ऐसा है तो संभलने का वक्त है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक्सपर्ट ने चेताया है कि खतरा अभी भी बरकरार है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेताया, खतरा अभी बरकरार

डब्ल्यूएचओ की वरिष्ठ अधिकारी पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि भारत के कुछ शहरों और राज्यों में भले ही कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों के एक स्तर पर पहुंचने के बाद बदलाव न हो रहा हो लेकिन खतरा अब भी बरकरार है। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान संक्रमण को फैलने से रोकने और स्थिति के अनुसार कदम उठाने पर होना चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा था कि देश में कुछ जगहों पर कोविड संक्रमण के मामले कम होने या उनमें कोई बदलाव नहीं होने के संकेत मिले है लेकिन इस प्रवृत्ति पर गौर करने की जरूरत है। कोविड–19 का खतरा बरकरार है और वर्तमान में संक्रमण फैलने की दर के विपरीत कोई भी देश जोखिम से बाहर नहीं है।